सत्ता (प्राधिकार)
(Authority)

'शक्ति' शब्द की एक अन्य समानार्थी अवधारणा 'सत्ता' (Authority) है। ऐसा माना जाता है कि कोई भी संस्था बिना सत्ता के नहीं चल सकती। रोबर्ट निस्बत का कथन है कि जहाँ सत्ता नहीं, वहाँ कोई संस्था नहीं होती। यह मान्यता है कि जीवन के प्रत्येक पहलू के साथ किसी न किसी रूप में सत्ता अवश्य सम्बद्ध होती है; जैसे- परिवार में माता-पिता की सत्ता, टीम में कप्तान की सत्ता, स्कूल में आचार्य की सत्ता, राजनीतिक दल में प्रमुख की सत्ता, राज्य में शासक की सत्ता आदि।

इसमें सन्देह नहीं है कि समाज में विभिन्न कार्यों के सम्पादन के लिए विभिन्न प्रकार के लोगों का एक जाल सा बुना रहता है। एक मशीन के भिन्न-भिन्न पुर्जों की भाँति प्रत्येक पुर्जा दूसरे पुर्जे की भाँति सहयोग से ही कुछ उत्पादन कर सकता है। एक व्यक्ति अन्य व्यक्तियों के सहयोग से ही सफलता प्राप्त करता है। किसी भी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कार्य संचालन हेतु लोगों को भिन्न-भिन्न स्तरों पर कार्य सम्पादन करना पड़ता है। एक व्यक्ति अधिकारी के रूप में कार्य करता है। दूसरा उसके सहायक के रूप में, तीसरा चपरासी के रूप में चौथा गार्ड के रूप में कार्य करता है। इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के अधीन होता है। उच्चतर द्वारा अधीनस्थ व्यक्ति को दिये गए आदेश अथवा निर्देश के ताने-बाने को राज्य, समाज तथा संस्था की व्यवस्था को बनाये रखने के लिए आवश्यक माना जाता है। सत्ता की वैधानिकता को जाना पहचानकर इसका उल्लंघन करने वाले को दंडित किया जाता है। सत्ता सम्बन्धी ऐसे विचारों को प्रत्येक उदारवादी- लोकतंत्रीय समाज में देखने को अवश्य मिल जाते हैं।

सत्ता क्या है? (What is Authority?)

लोकतन्त्रीय समाज में सत्ता शक्ति का एक रूप है। जब शक्ति (Power) को वैधता (Legitimacy) मिल जाती है तो इसे सत्ता नाम दिया जाता है। इसलिए सत्ता के आदेश देने का अधिकार कहा जाता है।

सत्ता की परिभाषाएं (Definitions of Authority)

सत्ता को राजनीति विज्ञान के विद्वानों ने अपने- अपने दृष्टिकोण से

परिभाषित किया है। सत्ता की कुछ प्रमुख परिभाषाएं निम्नांकित है—

1. वेबस्टर शब्दकोश के अनुसार, "सत्ता का अर्थ कानूनी तथा उचित शक्ति है।"

2. मैकाइवर के अनुसार, "प्राधिकरण को अक्सर शक्ति, आदेश, आज्ञाकारिता की शक्ति के रूप में परिभाषित किया जाता है।"

3. कार्ल फ्रेडरिक के मतानुसार, "सत्ता संचार की क्षमता है न कि व्यक्तियों की। हम जब व्यक्ति की सत्ता की बात करते हैं तो संबंध में, यह संकेत करते हैं कि उस व्यक्ति में सत्तापूर्ण संचार करने की क्षमता है।"

4. जोवेनल के अनुसार, "सत्ता दूसरे की स्वीकृति प्राप्त करने की गुण है।"

5. सामाजिक विज्ञानों की विश्वकोश के अनुसार, "सत्ता जन्मजात या प्राप्त की हुई वह योग्यता है जिसके द्वारा एक समूह पर श्रेष्ठता स्थापित की जाती है। यह शक्ति की अभिव्यक्ति है और यह इस तथ्य का संकेत है कि इनके अधीन व्यक्ति इसका पालन करते हैं।"

6. रॉबर्ट ए डहल के अनुसार, "उचित शक्ति को साधा: सत्ता की संज्ञा दी जाती है।"

7. हेना एरण्डट के अनुसार, "सत्ता का अभिप्राय: वह शक्ति है जो इच्छा पर आधारित है। इसका मुख्य चिन्ह उन लोगों के द्वारा उनकी मान्यता है जिनको इनका पालन करने के लिए कहा जाता है। इसके लिए न तो दबाव तथा नहीं प्रेरणा की आवश्यकता होती है।"

सत्ता की उपर्युक्त परिभाषाओं से यह स्पष्ट है कि सत्ता का आशय ऐसी योग्यता से है जिसके द्वारा कोई व्यक्ति अन्य व्यक्तियों अथवा व्यक्तियों के समूह पर अपनी श्रेष्ठता स्थापित कर सकता हो, बिना किसी दबाव और प्रेरणा के अपने आदेशों का पालन करा सकता हो या अपनी योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त करा सकता हो और इस योग्यता से विवेकपूर्ण विधि द्वारा, अथवा प्रभावशाली तर्कों के द्वारा अपने कार्यों या नीतियों को उचित सिद्ध कर सकता है। कहने का आशय यह है कि 'सत्ता' का आधार विवेकयुक्त एवं औचित्यपूर्ण होता है इससे सम्बद्ध लोगों की सहमति या स्वीकृति प्राप्त होती है।

समाप्त